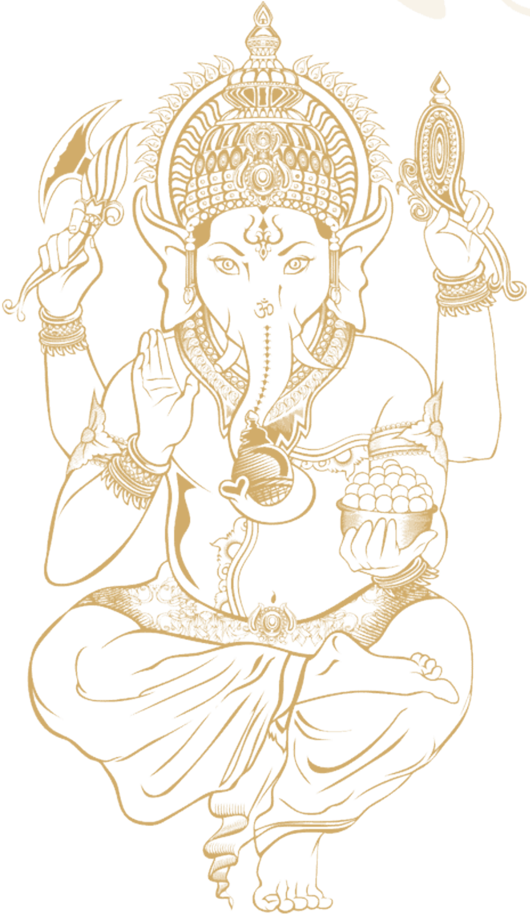

Ms.

16 Apr 2000

10:15 AM

Pauri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121882502

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **16/04/2000**
दिन	: रविवार
जन्म समय	: **10:15:00 घंटे**
इष्ट	: 11:10:03 घटी
स्थान	: **Pauri**
राज्य	: Uttarakhand
देश	: India

अक्षांश	: 30:08:00 उत्तर
रेखांश	: 78:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:14:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 10:00:12 घंटे
वेलान्तर	: 00:00:14 घंटे
साम्पातिक काल	: 23:38:46 घंटे
सूर्योदय	: 05:46:58 घंटे
सूर्यास्त	: 18:42:40 घंटे
दिनमान	: 12:55:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 02:38:46 मेष
लग्न के अंश	: 14:28:53 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	: **कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	: **उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
योग	: ध्रुव
करण	: कौलव
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: मानव
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:28:53	319:13:51	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			मेष	02:38:46	00:58:41	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	01:46:43	13:23:08	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मेष	23:39:37	00:42:57	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			मीन	11:06:06	01:36:01	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	नीच राशि
गुरु			मेष	18:48:57	00:14:02	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	17:45:51	01:13:58	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि			मेष	23:27:20	00:07:24	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	05:49:20	00:09:06	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	05:49:20	00:09:06	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:20:58	00:01:51	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:34:50	00:00:44	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:46:28	00:00:59	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मीन	00:21:12	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:24

लग्न-चलित

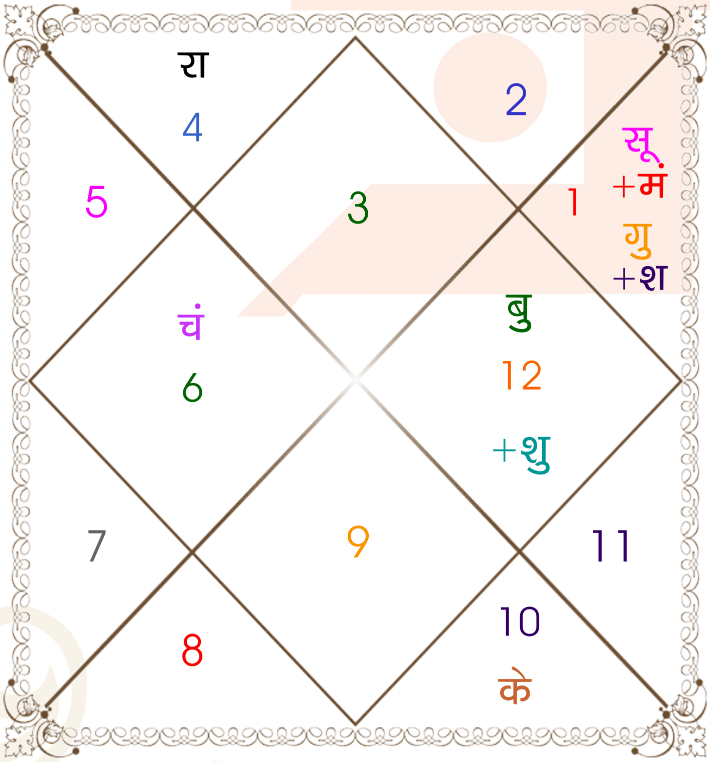

चन्द्र कुंडली

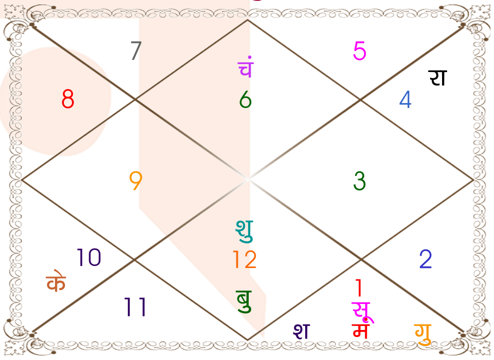

नवमांश कुंडली

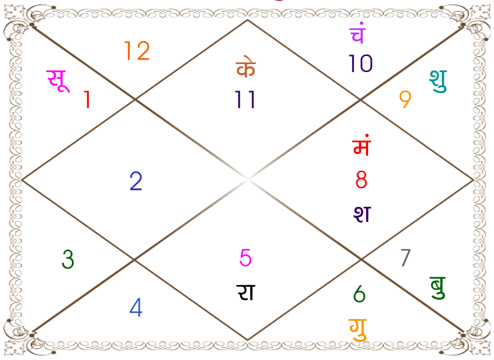

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 8 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/04/2000		**28/12/2003**		**28/12/2013**		**27/12/2020**		**28/12/2038**	
28/12/2003		**28/12/2013**		**27/12/2020**		**28/12/2038**		**28/12/2054**	
	00/00/0000	चंद्र	28/10/2004	मंगल	26/05/2014	राहु	10/09/2023	गुरु	14/02/2041
	00/00/0000	मंगल	29/05/2005	राहु	13/06/2015	गुरु	02/02/2026	शनि	28/08/2043
	00/00/0000	राहु	28/11/2006	गुरु	19/05/2016	शनि	09/12/2028	बुध	03/12/2045
	16/04/2000	गुरु	29/03/2008	शनि	28/06/2017	बुध	29/06/2031	केतु	09/11/2046
गुरु	03/11/2000	शनि	28/10/2009	बुध	25/06/2018	केतु	16/07/2032	शुक्र	10/07/2049
शनि	16/10/2001	बुध	29/03/2011	केतु	21/11/2018	शुक्र	17/07/2035	सूर्य	28/04/2050
बुध	22/08/2002	केतु	28/10/2011	शुक्र	22/01/2020	सूर्य	10/06/2036	चंद्र	28/08/2051
केतु	28/12/2002	शुक्र	28/06/2013	सूर्य	28/05/2020	चंद्र	09/12/2037	मंगल	03/08/2052
शुक्र	28/12/2003	सूर्य	28/12/2013	चंद्र	27/12/2020	मंगल	28/12/2038	राहु	28/12/2054

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/12/2054		**28/12/2073**		**28/12/2090**		**28/12/2097**		**29/12/2117**	
28/12/2073		**28/12/2090**		**28/12/2097**		**29/12/2117**		**00/00/0000**	
शनि	31/12/2057	बुध	25/05/2076	केतु	26/05/2091	शुक्र	29/04/2101	सूर्य	17/04/2118
बुध	09/09/2060	केतु	23/05/2077	शुक्र	25/07/2092	सूर्य	29/04/2102	चंद्र	17/10/2118
केतु	19/10/2061	शुक्र	22/03/2080	सूर्य	30/11/2092	चंद्र	29/12/2103	मंगल	22/02/2119
शुक्र	18/12/2064	सूर्य	27/01/2081	चंद्र	01/07/2093	मंगल	27/02/2105	राहु	16/01/2120
सूर्य	30/11/2065	चंद्र	28/06/2082	मंगल	27/11/2093	राहु	28/02/2108	गुरु	17/04/2120
चंद्र	02/07/2067	मंगल	26/06/2083	राहु	16/12/2094	गुरु	29/10/2110		00/00/0000
मंगल	09/08/2068	राहु	12/01/2086	गुरु	22/11/2095	शनि	29/12/2113		00/00/0000
राहु	16/06/2071	गुरु	19/04/2088	शनि	30/12/2096	बुध	29/10/2116		00/00/0000
गुरु	28/12/2073	शनि	28/12/2090	बुध	28/12/2097	केतु	29/12/2117		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 8 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।